his own State, that the tribal women who performed before the foreign tourists have been reported HIV-positive. In the written reply of the hon. Minister and also on the television there is a great enthusiasm on promoting rural tourism. The hon. Minister has said about the Dumka Tribal Festival in his written answer also. Sir, Jharkhand is predominantly a tribal area. Now, what precaution is the Government taking in its enthusiasm in selling India's tourism in the country? What is the Government's proposal in the light of that report?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I appreciate the concern expressed by the senior Member. I am not aware of this particular incident which she is referring to in Andhra Pradesh. I can only say that we need to be alert about this. I cannot immediately tell you about the precautions, but we will instruct the Ministry and the Department concerned to be on the alert against this kind of a problem.

Airborne collisions in crowded skies

*106. SHRI DEVDAS APTE:†
SHRI SHATRUGHAN SINHA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that near misses between aeroplanes in the crowded skies have increased three - fold in the last five years;

(b) if so, the details thereof;

(c) the steps Government have taken so far to avoid airborne collision; and

(d) the steps Government will take to avoid any such incident arising due to the fatigue of Air Traffic Controllers and pilots?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI PRAFUL PATEL): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) The rate of air proximity incidents per one lakh movements, when aircraft had come in close proximity due to breakdown of standard

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Devdas Apte.

distance separation, for the last 5 years is 1.247 in 2002, 2.041 in 2003, 2.081 in 2004, 2.506 in 2005 and 2.559 in 2006.

(c) Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued Civil Aviation Requirements making it mandatory from January, 2003 the installation of Airborne Collision Avoidance System (ACAS) on aeroplanes, which enables the pilots to have a position picture of all aircrafts in his vicinity their reference height and distance from his aircraft. It also guides the pilot to take evasive action, whenever any aircraft comes in proximity to his aircraft, to avoid conflict. Mono-pulse Secondary Surveillance radars have since been installed at major airports in the country to provide altitude information to the Air Traffic Controllers thereby enabling impoved air traffic management and surveillance. Air Traffic Management service is also being modernised to include air traffic conflict warning in the system. Further, based on the investigations carried out on all the reported air proximity incidents, the following additional measures have also been taken:—

(i) Regular proficiency checks for Air Traffic Controllers;

(ii) Specific co-ordination procedures for transfer of traffic from one unit to the other, which are reviewed periodically; and

(iii) Whenever required, Air Traffic Control Officers (ATCOs) are given corrective training.

(d) To avoid air proximity incidents due to fatigue, detailed flight time and duty time limitations have been specified by DGCA and Airports Authority of India for pilots and ATCOs, respectively.

श्री देवदास आपटे: मान्यवर, मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है, उसमें आकाश में विमानों के नजदीक आने की संख्याओं की घटनाओं में वृद्धि को स्वीकार किया है। इसका मतलब या तो हवाई जहाज बढ़ रहे हैं या आकाश छोटा पड़ रहा है। मंत्री महोदय ने इन घटनाओं को रोकने के लिए जो उपकरण लगाए जाने की बात कही है, उन उपकरणों की संभाल करने वाले जो कर्मचारी हैं, उनके बारे में अपने जवाब में कुछ नहीं कहा है। इधर पूरे देश में हवाई यातायात नियंत्रकों को ट्रेनिंग देने वाला केवल एक स्कूल इलाहाबाद में आपका चलता है और जिसमें प्रति वर्ष सिर्फ 60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। मैं जानना यह चाहता हूं कि सरकार इस दिशा में नए विद्यालय, अधिक विद्यालय खोलने के लिए क्या कर रही है?

श्री प्रफुल्ल पटेल: मान्यवर, मैं माननीय सदस्य की भावना से सहमत हूं कि हवाई सेवाओं में वृद्धि हो रही है।

श्री सभापति: इनकी बात से मैं सहमत हूं, लेकिन मानने को तैयार नहीं हूं। ...(व्यवधान)

श्री प्रफुल्ल पटेल: आकाश सुरक्षित होना चाहिए, हवाई यात्रियों की सुरक्षा, हवाई जहाजों की सुरक्षा, यह हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन जहां तक आपकी जो भावना है कि जो लोग इसको संचालित करते है।, इन लोगों की ट्रेनिंग या इनकी संख्या के बारे में हम क्या कर रहे हैं? जो इलाहाबाद में जो एक हमारी ATCO ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट है, उसकी क्षमता का प्रश्न नहीं है, सवाल यह रहा कि वर्ष 1999 से हमने ATCO में जो भर्ती की प्रक्रिया थी, उसको रोका हुआ था। लेकिन, 2004 से इस प्रक्रिया की हमने पुन: शुरुआत की है। पांच-छ: साल का जो बैकलॉग था, उसकी वजह से निश्चित रूप से, जो हवाई यात्रा में वृद्धि हुई है, उसमें उसका कुछ प्रभाव या असर हुआ है, लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों में हमने जिस संख्या में भर्ती में वृद्धि की है और उसकी वजह से अभी जो ट्रेनिंग उनको प्राप्त हो रही है, उससे हमको काफी राहत मिली है। लेकिन, एक बात मैं आपको निश्चित रूप से कहना चाहूंगा कि इन ATCO's की कमी या उनकी ट्रेनिंग के अभाव का सुरक्षा पर कहीं पर असर न हो, इस प्रकार की पूरी खबरदारी इस मंत्रालय द्वारा ली जा रही है। आज हमारे भारतीय आकाश में जो भी हवाई जहाज उड़ रहे हैं और accident और air miss की जो परिभाषा है, उस परिभाषा में भी अब परिवर्तन हुआ है। इंटरनेशनल सिविल ऐविएशन आरगेनाइजेशन ने काफी इसमें रिसर्च किया हुआ है, जिसमें हम भी signatory हैं, हम भी उसके साथ जुड़े हुए हैं और हर प्रक्रिया में हम भी शामिल हैं। air miss की एक परिभाषा, मैं सदन की जानकारी के लिए कहना चाहूंगा कि air miss is not air miss, it is air, जो नई परिभाषा है, उसमें उसको air proximity incidence कहते हैं। मतलब जो प्रोसिज़र ले-ड्राउन किया है, उससे slight deviation भी अगर होता है तो उसको हम अपनी सामान्य भाषा में air miss कहते हैं, लेकिन उसको air proximity incidence कहा जाता है। नहीं होना चाहिए, यह बात बिल्कुल सही है, लेकिन उसके बाद भी काफी उसमें सुरक्षा के bands हैं, bands of safety हैं और human error अगर हद से बाहर जाएं, तभी उस प्रकार की घटना हो सकती है। लेकिन, आपकी भावना से मैं सहमत हूं और जहां तक मैन पावर की बात है...

श्री सभापति: मेरी भावना से सहमत हैं तो बैठ जाइए।

श्री प्रफुल्ल पटेल: मैं मैन पावर की बात बता रहा हूं, मैं उनके अगले सप्लिमेंट्री का भी जवाब दे रहा हूं। हमारे पास actual ATCs की sanctioned strength है 1,753, shortage 311 की है और इस shortage को भरने के लिए हमारी पूरी प्रक्रिया जारी है और एक या दो वर्षों में यह shortage भी पूरी हो जाएगी और हम technological upgradation करके भी बहुत सारी चीजों में, जहां मैन पावर की shortage है, वहां technological upgradation करके उसको दुरुस्त करेंगे।

श्री देवदास आपटे: महोदय, मेरी जानकारी के अनुसार भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में 600 हवाई यातायात नियंत्रकों की कमी की जानकारी है, लेकिन मंत्री महोदय ने केवल 300 की बात कही है।

दूसरे, मेरा कहना यह है कि आज एयर ट्रैफिक कंट्रोलर का काम काफी strenuous और highly technical job का हो गया है। इनके वेतनमान पुराने जमाने के हैं, आज अच्छे विद्यार्थी, calibre capacity के, उनमें भर्ती होने के लिए पहुंचे, ताकि आने वाले दिनों में, जो हवाई यात्राएं बढ़ेंगी और हवाई यातायात भी बढ़ेगा, उसका नियंत्रण हम कर सकें...

श्री सभापति: माननीय सदस्य कृपया छोटा सा प्रश्न पूछ लें। छोटी सी बात का उत्तर लम्बा सा आता है, इसलिए छोटी सी बात पूछ लें।

श्री देवदास आपटे: मैं जानना चाहता हूं कि सरकार इस दिशा में क्या सोच रही है?

श्री प्रफुल्ल पटेल: सभापति महोदय, मैंने लम्बा उत्तर जान-बूझकर दिया है और उसकी वजह यह है कि हम सब लोग हवाई जहाज में बैठते हैं और सभी लोग, कम से कम मुम्बई और दिल्ली की हवाई congestion के बारे में बहुत सारे प्रश्न मेरे समक्ष रखते हैं और इसलिए मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि जिस भी जहाज में, चाहे कितने भी congested skies में आप जाएं, आप कृपा करके सुरक्षा के मामले में जरा भी प्रभावित या चिंतित न रहें, यह मैं जिम्मेदारी पूर्वक यहां पर सदन में बयान कर रहा हूं।

जहां तक air proximity का ताल्लुक है, यह विश्व में सभी जगह पर, किसी भी जगह पर है, Afterall, there is human factor, लेकिन उसके काफी प्रबंध टैक्नोलॉजी से इसमें किए गए हैं।

DR. KARAN SINGH: Sir, we are at the end of the Quesiton Hour. ...*(Interruptions)*... With the increase in international air traffic, the solution lies ultimately in developing satellite areas around Delhi, around Mumbai, around Kolkata like they have done in London or New York because otherwise we will get more and more crowded. I am very glad that you have given an answer, but are you taking steps to devleop satellites airports? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: Most certainly, Sir. You have the fullest experience as being a former Civil Aviation Minister. And I can assure the House that not only the infrastructure upgradation of the current airports, but in terms of quantity also, new airports, more infrastructure facilities, would be the only solution to reduce the issues which have been raised so far.

MR. CHAIRMAN: Quesiton Hour is over.